संदेश ले जाने वाला संदेशवाहक
गहराई न नापी जा सके अथाह
नष्ट हो जाने वाला नश्वर
व्यर्थ खर्च अपव्ययी

पृथ्वी से सम्बद्ध पार्थिव
पूर्व में था, पर अब नहीं था भूतपूर्व
जो कठिनाई से मिलता है दुर्लभ
जो आँखों से परे हो अप्रत्यक्ष / परोक्ष

जिसका उत्तर न दिया गया हो अनुत्तरित
अपने मत को मानने वाला स्वमतानुयायी
जो कहा न गया हो अकथ्य / अकथित
परम्परा से सुना हुआ अनुश्रुति
जो देखने के योग्य हो दर्शनीय
किसी एक ही में आस्था रखने वाला
अन्य से सम्बन्ध न रखने वाला अनन्य
तत्काल कविता आशुकवि
पिष्टपेषण कही गयी बात को बार-बार कहना पुनरुक्ति
जो आसानी से प्राप्त किया जा सके सुलभ
समान ठण्डा + गरम समशीतोष्ण

छाती के बल गमन करने वाला उरग
जिस समय मुश्किल से भिक्षा दुर्भिक्ष
किसी के पास रखी दूसरे की वस्तु रेहन / गिरवी अमानत
जिस पर विश्वास किया गया है विश्वस्त
जो पहले कभी नहीं सुना गया अश्रुतपूर्व
स्मरण करने योग्य चिर स्मरणीय
• इन्द्रियों के ज्ञान से ~~प्राप्त~~ परे अतीन्द्रिय
बाँहें अधिक लम्बी हों दीर्घबाहु
2 मुश्किल से प्राप्त हो दुष्प्राप्य

जिस पर आक्रमण हुआ हो आक्रान्त
युद्ध करने की इच्छा युयुत्सु
उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति रिक्थ
जिसकी माप तोल हो सके परिमेय

जिसका दमन किया गया हो दमित
जिस पर उपकार किया गया हो उपकृत
अतिथि सत्कार की भावना आतिथ्य / आतिथेय
जिसका उत्तर न दिया गया हो अनुत्तरित
तुरन्त उत्पन्न होने वाली सूझबूझ प्रत्युत्पन्नमति

क्षणभर में नष्ट हो जाने वाला क्षणभंगुर
जो शब्दों द्वारा व्यक्त न किया जा सके निःशब्द
पैर से लेकर सिर तक आपादमस्तक
किसी पर विजय की इच्छा रखने वाला जिगीषु
मध्यरात्रि का समय निशीथ

जिस पर किसी का आतंक छाया हो आतंकित
शोक करने योग्य न हो अशोच्य / अशोचनीय
ऊपर कहा गया हो उपर्युक्त
जिसके हृदय को चोट पहुँची हो मर्माहत
आधिकारिक रूप से राज्य को मिलने वाला धन राजस्व

आकाश को चूमने वाला गगनचुम्बी
सौ में सौ शतप्रतिशत
वर्णन से परे बात वर्णनातीत

सूर्य न देखने वाली स्त्री असूर्यपश्या
रूढ़ियों में विश्वास करने वाला रूढ़िवादी / परम्परावादी
पूजा के योग्य पूजनीय / पूज्य
जो देश से प्रेम करता हो देशभक्त / देशप्रेमी

जिसका आदि न हो अनादि
व्यर्थ खर्च —— अपव्ययी
बिना पलक झपकाये अपलक
मरने की इच्छा मुमूर्षा
जिसे दूर करना कठिन हो दुर्निवार

अधः प्रसूत
अप्रहत
अभीप्सा

- जानने की इच्छा — जिज्ञासा
- जिसके हृदय में ममता नहीं — निर्मम
- जो हमेशा रहने वाला हो — शाश्वत
- ग्रीवा सुंदर — सुग्रीव
- जो मांस नहीं खाता — निरामिष
- जो मृत्यु के समीप हो मरणासन्न — मृतप्राय / आसन्नमृत्यु
- जिसका कोई शत्रु ना हो — अजातशत्रु
- जो उपकार नहीं मानता — कृतघ्न
- कठिनाई से समझने योग्य — दुर्बोध
- विदेश में वास करने वाला — प्रवासी
- जिस पर अनुग्रह किया गया हो — अनुगृहीत (हीत)
- गुरु के समीप रहने वाला छात्र — अन्तेवासी
- जो कुछ न जानता हो Nothing — अज्ञ
- जिसका निवारण न हो सके — अनिवार्य
- जो कुछ न जानता हो — अभियोगी
- जो किसी पर अभियोग लगाये — ~~अभियोक्ता~~
- जो अवश्य होने वाला हो → अवश्यम्भावी
- विधि / कानून विरुद्ध Illegal — अवैध
- जिस पर आक्रमण हो — आक्रान्त
- जिस पर चिह्न लगाया गया हो — चिह्नित
- जिसके समान कोई और न हो — अनुपम
- सब कुछ जानने वाला — सर्वज्ञ
- जिसका कोई अर्थ न हो — अर्थहीन
- जो पढ़ना लिखना जानते हो — साक्षर
- जो उपकार मानता हो — कृतज्ञ
- अच्छे कुल में जन्म लेने वाला — कुलीन
- जो भू को धारण करे — भूधर
- जो मृत्यु को जीत ले — मृत्युंजय
- जो जीता न जा सके — अजेय
- सब से अधिक भाषायें जानने वाला — बहुभाषाविद्
- युद्ध में स्थिर रहने वाला — युधिष्ठिर
- संध्या और रात्रि के बीच का समय — गोधूलि
- अनुचित बात के लिए आग्रह — दुराग्रह
- धरती और आकाश के बीच — अन्तरिक्ष
- जिसका ज्ञान इन्द्रियों से ना हो (परे) — अतीन्द्रिय
- जिसे बुलाया ना गया हो — अनाहूत
- सिर पर चंद्रमा हो — चन्द्रमौलि
- व्याकरण अच्छी तरह जानने वाला — वैयाकरण
- दोपहर के बाद का समय — अपराह्न
- जिस पर मुकदमा चलाया गया हो — अभियुक्त
- जो व्यक्ति अधिक बोलता हो — वाचाल
- जिसे अपने कर्त्तव्य का ज्ञान ना हो — किंकर्त्तव्यविमूढ़

- जिसकी कोई सीमा ना हो — असीम
- जिसको जाना नहीं जा सकता — अज्ञेय
- जिसका आदि और अन्त ना हो — अनादि-अनन्त
- पढ़ना लिखना जानता हो — साक्षर
- आकस्मिक जीविका — तदर्थजीविका / आकाशवृत्ति
- पृथ्वी और ग्रहों के बीच का स्थान — आकाश / अन्त
- सामान्य नियम के विरुद्ध — अपवाद
- ज्ञान नेत्र से देखने वाला अन्धा व्यक्ति — ज्ञान-
- दूध + दही + घी + शर्करा + मधु — पंचामृत
- आने की तिथि नहीं — अतिथि
- भले बुरे का ज्ञान न हो — अबोध
- जिसे वाणी न व्यक्त कर सके — अव्यक्त
- जिसका कोई शत्रु उत्पन्न न हो — अजातशत्रु
- ग्रहण जिसमें सूर्य पूरा ढक जाये — खग्रास
- शब्दों में नहीं कहा जा सकता — शब्दातीत
- गुरु के समीप रहने वाला छात्र — अन्तेवासी
- कभी अन्त न होने वाला हो — अनन्त
- सब कुछ उदारता से देने वाला — औदार्यदाता
- जरा सा खर्च में आनाकानी — कृपण / कंजूस
- प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री — प्रियंवदा
- बहुत आगे की सोच कर काम करने वाला — दूरदर्शी
- जो मृत्यु के मुख में आने को हो — मरणासन्न
- बहुत दिनों तक स्मरण रखने योग्य — चिरस्मरणीय
- जो कुछ नहीं जानता हो — अज्ञ
- धरती और आकाश के बीच का स्थान — क्षितिज
- गणना के अयोग्य — अगण्य
- जिसे बुलाया ना गया हो — अनाहूत
- पसीने से उत्पन्न — स्वेदज
- जानने की इच्छा रखने वाला — जिज्ञासु
- जहां खाना मुफ्त में मिलता हो — लंगर / सदावर्त
- भले बुरे का ज्ञान ना हो — मूर्ख / अबोध
- पैर से मस्तक तक — आपादमस्तक
- नीले रंग का कमल — नीलकमल (पैदा / अभी पैदा)
- जो अभी-अभी उत्पन्न हुआ हो — प्रत्युत्पन्न
- जिसकी आशा न की गई हो — निराशा ?
- पतिद्वारा छोड़ दी गयी स्त्री — परित्यक्ता
- हाथी की तरह चलने वाली स्त्री — गजगामिनी
- वह लड़की जिसका विवाह होने वाला हो
- वनस्पति का आहार करने वाला — शाकाहारी
- दायर मुकदमे का बचाव / प्रतिवाद — प्रतिवादी

Scanned with OKEN Scanner

असीम
अज्ञेय
अनादि-अनन्त
साक्षर
। / आकाशवृत्ति
आकाश / जन्मि
ाद
ाचित ज्ञान - प
ाचामृत
तिथि
ोधा
व्यक्त
जातशत्रु
ग्रास
दालीव
तेवासी
न्त
ार्यदाता
। कंजूस
ज्ञा
। दूरदर्शी
ासन्न
रस्मरण
ज्ञ
ातिज
ाव्य
हूत
ज
ासु
दावर्त
ाध
ि
नी
ाणी

आर्द्र	शुष्क
अल्पज्ञ	बहुज्ञ
अधम	उत्तम
कर्षण	विकर्षण
कीर्ति	अपकीर्ति
संकीर्ण	विस्तृत (विस्तीर्ण)
गुप्त	प्रकट
तुच्छ	महान
नश्वर	शाश्वत
विशिष्ट	गौण
आकाश	पाताल
मग्न	खिन्न
उत्थान	पतन
ज्येष्ठ	कनिष्ठ
मानवीय	अमानवीय/दानवीय
उपमेय	अनुपमेय
तृष्णा	तृप्ति
वादी	प्रतिवादी
चेतन	जड़
सामिष	निरामिष
चेतन	जड़/अचेतन
विशिष्ट	सामान्य
अनुनासिक	निरनुनासिक
पुरस्कार	दण्ड
उत्कर्ष	अपकर्ष
अनन्त	सान्त/सीमित
अर्वाचीन	प्राचीन
ऋत	अनृत
आवर्तक	अनावर्तक (अ → अन)
व्यष्टि	समष्टि
समास	व्यास
अनुराग	विराग
कनिष्ठ	ज्येष्ठ
स्वार्थ	परमार्थ
शोषक	पोषक
असीम	ससीम
अनुग्रह	विग्रह
निद्रा	जागरण
तेजस्वी	निस्तेज
गुरु	लघु
संकीर्ण	विस्तीर्ण (विस्तीर्ण)
विस्तृत	संकुचित
श्रोता	वक्ता/ वक्ता
अन्तर्मुखी	बहिर्मुखी
आविर्भाव	तिरोभाव
उन्मूलन	रोपण
कुटिल	सरल

जंगम	स्थावर
सहयोगी	प्रतियोगी
दृश्य	अदृश्य
क्षणिक	शाश्वत
अभिज्ञ	भिज्ञ
आरोह	अवरोह
खण्डन	मण्डन
घात	प्रतिघात
संघटन	विघटन
निरामिष	सामिष/आमिष
विधवा	सधवा
सत्याग्रह	दुराग्रह
संकल्प	विकल्प
अवर	प्रवर
अल्पज्ञ	बहुज्ञ
अकाल	सुकाल
आहूत	अनाहूत
आगामी	विगत
समास	विग्रह
कल्पित	यथार्थ
गुरु	लघु
दीर्घ	लघु
द्वन्द्व	एकता/समन्वय
उर्वर	बंजर
कृत्रिम	प्राकृतिक / नैसर्गिक
उत्कर्ष	अपकर्ष
दुर्गम	सुगम
परास्त	विजय
प्रत्यक्ष	परोक्ष/अप्रत्यक्ष
स्वागत	तिरस्कार (सत्कार)
अत्यन्त	अत्यल्प
सदाचार	दुराचार
दुर्गम	सुगम
अनाहूत	आहूत
सरस	नीरस
ऐहिक	दैहिक (दैहिक)
जागृत	सुप्त सुषुप्त
प्रफुल्ल	म्लान (म्लान)
सौमनस्य वैमनस्य	सौहार्द्र (सौहार्द्र, सौहार्द)
पल्लवन	पतझड़
सत्कार	दुत्कार
आवर्तक	निवर्तक (अनावर्तक)
समास	व्यास
निन्द्य	वन्द्य

ऋजु	वक्र
स्वार्थ	परमार्थ
मूक	वाचाल
शोषक	पोषक
सृजन	ध्वंस
अपेक्षा	उपेक्षा
अथ	इति
अवनि	अम्बर
आलोक	अन्धकार
उदयाचल	अस्ताचल
ग्राह्य	त्याज्य
अपव्यय	मितव्यय
अलभ्य	उपलभ्य/लभ्य
उत्कृष्ट	निकृष्ट
Weak कृश	अकृश / पुष्ट
ग्रामीण	शहरी
पक्षपाती तटस्थ	~~शहरी~~
धृष्ट	विनीत
निर्दय	सदय
भाव	अभाव
विधि	निषेध
विज्ञ	अज्ञ
ग्रस्त	मुक्त
मुख्य/प्रधान	गौण
महात्मा	दुरात्मा
विशेष	सामान्य
स्मरण	विस्मरण
सन्धि	विच्छेद
सूक्ष्म	~~विस्तृत~~ विराट
पण्डित	मूर्ख
अन्तर्द्वन्द्व	बहिर्द्वन्द्व
आविर्भाव	तिरोभाव
आध्यात्मिक	सांसारिक
सात्विक	असात्विक/तामसिक
संन्यास	गृहस्थ
चुस्त	ढीला
ह्रास	वृद्धि
उपादेय	अनुपादेय
स्थिर	अस्थिर
वैभव	निर्धन
सुमति	कुमति
अभिशाप	आशीर्वाद
परमार्थ	स्वार्थ
संयोग	वियोग
ह्रास	वृद्धि

Scanned with OKEN Scanner

मूल विलोम

अर्पित	अनर्पित
उन्मुख	विमुख
उपचार	अपचार
जोड़	घटाना घटाव
थोक	फुटकर
भूगोल	खगोल
विधि	निषेध
सावधान	असावधान
अक्षर	क्षर
कुसुम	अकुसुम / वज्र
रथी	अरथी
अभिमानी	निरभिमानी
सुलभ	दुर्लभ
वीर	कायर
खंडन	मण्डन
मानवता	नृशंसता
कपटी	निष्कपट
मुख्य	गौण
प्रवृत्ति	निवृत्ति
आत्मा	अनात्मा
उद्धत / धृष्ट	विनीत
प्रसारण	संकुचन
जटिल	सरल
निषिद्ध	विहित
स्मरण	विस्मरण
अभिज्ञ	अनभिज्ञ
आवृत्त	अनावृत्त
उपचय	अपचय
जाग्रत	~~स्वप्न~~ सुषुप्त
पुष्ट	क्षीण
भ्रान्त	निर्भ्रान्त
कीर्ति	अपकीर्ति
नूतन	पुरातन
तरुण	वृद्ध
ह्रस्व	दीर्घ
पुरस्कार	तिरस्कार / दण्ड
सम्पन्न	विपन्न
अध्यवसाय	अनध्यवसाय
गणतंत्र	राजतंत्र
यथार्थ	आदर्श
बर्बर	सभ्य
ध्वंस	सृजन
अपसरण	अभिसरण अभि
बाह्य / बाह्य	आभ्यन्तर
गौरव	लाघव

मुखर	मौन
उपार्जित	अनुपार्जित
निंद्य	वंद्य
तिरस्कार	सत्कार
शर्मनाक	सम्मानपूर्ण
लुभावना	घिनौना
विहित	निषिद्ध
आवरण	अनावरण
कृतज्ञ	कृतघ्न
अज्ञ	विज्ञ × अल्पज्ञ
अधम	उत्तम
सकर्मक	अकर्मक
मान	अपमान
घात	प्रतिघात
वैतनिक	अवैतनिक
परिचित	अपरिचित
आपत्ति	अनापत्ति
पूर्ण	अपूर्ण
धरती	आकाश
प्रिय	अप्रिय
कोमल / स्निग्ध	रुक्ष
भय	निर्भय / अभय
शत्रु	मित्र
सुषुप्ति	जागृति
पूर्व	पश्चात्
प्रसन्न	अप्रसन्न
परकीय	स्वकीय
महान	तुच्छ
ज्ञानी	अज्ञानी
नीति	अनीति
शोक	अशोक / आनन्द
विघ्न	निर्विघ्न

Scanned with OKEN Scanner

ऊँगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना	थोड़ा सहारा प्रकार विशेष प्राप्ति के लिए अनुचित प्रयास
एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा	दुष्ट की शक्ति बढ़ना / एक साथ कई दुर्गुणों का होना
दाल भात में मूसलचंद	अनावश्यक हस्तक्षेप करना USA
आए थे हरिभजन को ओटन लगे कपास	प्रमुख कार्य के उद्देश्य को छोड़कर अन्य कार्य में लग जाना
एक हाथ से ताली नहीं बजती	झगड़ा एक ओर से नहीं होता
काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती	कपटपूर्ण व्यवहार बार बार नहीं चलता
आम के आम गुठलियों के दाम	दोहरा लाभ
दूर के ढोल सुहावने	अज्ञान के प्रति आकर्षण होना
हल्दी लगे न फिटकरी रंग चोखा	बिना प्रयत्न / खर्च के काम का होना जाना
नाम बड़े दर्शन थोड़े	प्रसिद्धि के अनुरूप गुण न होना
बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद	मूर्ख व्यक्ति गुणों की परख नहीं कर सकता
ऊँचा दुकान फीका पकवान	नाम / दिखावा अधिक गुण कम आडम्बर आडम्बर
नक्कारखाने में तूती की आवाज	बड़े लोगों की बातों के बीच छोटों की उपेक्षा
आँख का काजल चुराना	बहुत चालाकी से कार्य करना
कच्चा चिट्ठा खोलना	सारा भेद खोलना
लकीर का फकीर होना	रूढ़िवादी होना
घी के दिए जलाना	बहुत अधिक खुशी मनाना
घोड़े बेचकर सोना	निश्चिन्त होना
✓ उल्टी गंगा बहाना	परम्परा विरुद्ध कार्य करना
उल्टे बाँस बरेली को	विपरीत कार्य करना
घर का जोगी आन गाँव का सिद्ध	घर की अपेक्षा बाहर अधिक सम्मान मिलना
चोरी सीनाजोरी	गलती करने के बावजूद रौब झाड़ना
✓ तीन तेरह होना	तितर बितर होना / बिखर जाना
पौ बारह होना	चारों ओर से लाभ / अत्यधिक लाभ होना
सिर उठाना	विरोध करना
टाँग मारना	बाधा पैदा करना
दाँत काटी रोटी	घनिष्ठ मित्रता
चिराग तले अंधेरा	अपनी बुराई न दिखाई देना
राजा भोज गंगा तेली	दो लोगों के बीच बहुत अधिक अंतर होना
अपना सा मुँह लेकर रह जाना	विफल मनोरथ रह जाना
आँख पर चर्बी छाना	अधिक घमण्ड होना
छठी का दूध याद आना	कठिन काम लेना
ढोल का पोल होना	बड़ों में दुर्गुण / बाहरी दिखावा
दर किनार कर देना	अलग / दूर कर देना
गंजेड़ी यार किसके	स्वार्थी मित्र / व्यक्ति हमेशा स्वार्थ देखता है
तू भी रानी मैं भी रानी कौन भरेगा पानी	जहां एक मालिक न हो (अहं के टकराव में कार्य शुरु न हो पाना)
रस्सी जल गई पर ऐंठन ना गयी	बुरी हालत में भी अभिमान न त्यागना
श्रीगणेश करना	शुभारम्भ करना
अंधा पीसे कुत्ता खाये	परिश्रम का लाभ अयोग्य द्वारा उठाना
✓ नानी याद आना	हौसला पस्त होना
जले पर नमक छिड़कना	दुख पर और दुःख देना
आँखों का पानी मरना	निर्लज्ज होना
खुशामदी टट्टू होना	चापलूस होना / हाँ में हाँ मिलाने
टाँय टाँय फिस्स होना	बुरी तरह असफल होना
आँख का काँटा होना	अप्रिय / बुरा लगना
आस्तीन का साँप	विश्वासघाती मित्र

Scanned with OKEN Scanner

नानी याद आना —— हाेश उड़ जाना / परस्त होना
थोथा चना बाजे घना —— गुण कम दिखावा अधिक
छछूंदर के सिर में चमेली —— अयोग्य को अच्छी वस्तु मिलना
ओखली में सिर दिया तो मूसल से क्या डरना — यदि कठिन कार्य हाथ में लिया है तो कठिनाइयों/मूसलों से नहीं डरना चाहिए।
पढ़े फारसी बेचे तेल —— योग्यता होने के बावजूद निम्नस्तर का ...
✓ आँख फेरना —— सहायता न करना / ध्यान न देना
हाथ जोड़ना —— विनती करना।
✓ मुँह की खाना —— बुरी तरह हारना
ईंट से ईंट बजाना —— पूरी तरह से नष्ट करना
आँच न आने देना —— कष्ट न पहुँचने देना
गाल बजाना —— डींग हाकना / बढ़ चढ़कर बातें करना
✓ पट्टी पढ़ाना —— बुरी सलाह देना
कौआ चला हंस की चाल (अपनापन छोड़कर दूसरों की नकल करना) —— अयोग्य व्यक्ति का योग्य व्यक्ति जैसा बनने का प्रयत्न करना।
अगस्त यात्रा —— विजय यात्रा
लक्ष्मण रेखा —— मर्यादा / आचरण की वह सीमा रेखा जिसका उल्लंघन वर्जित हो।
न रहेगा न बजेगी बाँसुरी — विवाद का मूल कारण ही नष्ट करना।

चार दिन की चाँदनी — थोड़े दिन का सुख
जिसकी लाठी उसकी भैंस — बलवान की जीत होना।

× अंधे के आगे रोना अपना दीदा खोना	मूर्ख को समझाने का प्रयास व्यर्थ है।
जल में गाड़ी नाव पर, थल गाड़ी पर नाव	विपरीत परिस्थितियाँ
जिन खोजा तिन पाइयाँ गहरे पानी पैठ	परिश्रम करने से सफलता अवश्य मिलती है
दूध का जला छाछ को भी फूंक फूंक कर पीता है	धोखा खाया हुआ सदैव सावधान रहता है
बोया पेड़ बबूल का आम कहाँ से खाय	बुरा काम करने से अच्छा परिणाम नहीं मिलता
होनहार बिरवान के होत चिकने पात	होनहार के लक्षण पहले ही दिखने लगते हैं
अंधे की लकड़ी	एकमात्र सहारा
उल्लू सीधा करना	काम निकालना
✓ काठ का उल्लू	बेवकूफ
खून पसीना एक करना	कठोर परिश्रम करना
बाँये हाथ का खेल	आसान कार्य
बीड़ा उठाना	तत्पर होना / वचन बद्ध होना
साँप छछूंदर की दशा।	दुविधा / बीच की स्थिति होना
अपनी खिचड़ी अलग पकाना	अलग-थलग, दूसरों से पृथक विचार रखना
✓ हाथ पाँव फूलना	डर के कारण घबराना
एक थैली के चट्टे बट्टे होना	समान प्रवृत्ति का होना
✓ कुएं में बांस डालना	बहुत खोजना / तलाश करना
थाली का बैंगन होना	✓ अस्थिर / मौका परस्त व्यक्ति
आधा तीतर आधा बटेर	✓ बेतुका मेल
आँख का अन्धा गाँठ का पूरा	पैसे वाला मूर्ख व्यक्ति / धनवान व्यक्ति
आगे नाथ न पीछे पगहा	पूर्णतः बंधनरहित / कोई जिम्मेदारी न होना

घर की मुर्गी दाल बराबर	घर की वस्तु (व्यक्ति को) महत्त्व न देना
भानुमती का कुनबा जोड़ना	बेमेल चीजें जोड़कर कुछ बना लेना
थोथा चना बाजे घना	दिखावा करना
कफन सिर पर बाँधना	मृत्यु से भयभीत न होना
खाक छानना	भटकना / मारा-मारा फिरना
धज्जियाँ उड़ाना	बुरी तरह परास्त कर देना
बाँह पकड़ना	सहायता / आश्रय देना
उड़ती चिड़िया पहचानना	मन की बात समझ लेना
एक का तीन बनाना	अत्यधिक लाभ प्राप्त करना
गाल बजाना	बकवास करना
घी कहाँ गिरा खिचड़ी में	नुकसान होते हुए भी लाभ
तू डाल-डाल हम पात-पात	एक से बढ़कर दूसरा चालाक
नीम हकीम खतरे जान	अल्पज्ञानी से सदैव खतरा
सब धान बाइस पसेरी	सभी के साथ समान व्यवहार करना
तोता चश्मी करना	
बालू से तेल निकालना	असम्भव कार्य करके दिखाना
कानी के ब्याह में सौ जोखिम	एक दोष होने पर अनेक दोष खोजना लोगों द्वारा
छत्तीस का अंक होना	बिगाड़ होना
खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे	सफलता न मिलने पर दूसरों को दोष
कालिख पोतना	कलंकित करना
अनदेखा चोर शाह बराबर / नेता	दोषी व्यक्ति पकड़े न जाने पर खुद को श्रेष्ठ समझता है।
घोड़ा घास से यारी करेगा तो खायेगा क्या	मेहनताना / पारिश्रमिक मांगने में संकोच नहीं करना चाहिए
गंगा गये गंगादास, जमुना गये जमुनादास	अवसरवादिता
गंगा नहाना	कठिन कार्य पूरा होना
घड़ों पानी पड़ना	लज्जित होना
गूलर का फूल होना	बहुत कम दिखना / लापता होना
भागते भूत की लंगोट भली	आशा के विपरीत थोड़ा कुछ मिल जाना
फूल झड़ना	मीठा बोलना / प्रिय वचन बोलना
उठ जाना	मरना
उठा न रखना	कोई कसर न छोड़ना
एक आँख से देखना	सभी को समान भाव
एक लाठी से सबको हाँकना	समान नीति अपनाना
खरी-खोटी सुनाना	भला बुरा कहना
खरी खरी सुनाना	साफ साफ कहना
अपनी करनी पार उतरनी	अपने प्रयत्न से ही फल मिलता है।
यह मुँह और मसूर की दाल	औकात से बढ़कर बात करना
तन पर लत्ता, पान खाएँ अलबत्ता	झूठी रईसी दिखाना
नेकी नौ कोस, बदी सौ कोस	अच्छाई की तुलना में बुराई तेजी से फैलती है।
बाल की खाल निकालना	बड़ी छानबीन करना
आसमान पर दिये जलाना	असंभव कार्य करना
वेद वाक्य मानना	प्रामाणिक बात मानना
उड़ती चिड़िया पहचानना	मन की बात जानना
गुरु कीजे जान, पानी पीजे छान	जाँच पड़तालकर काम करना
छप्पर पर फूस नहीं, ड्योढ़ी पर नाच	दिखावटी बनावट
गये थे रोजा छुड़ाने गले नमाज पड़ी	विपत्ति की पीड़ा छुड़ाने का प्रयत्न करते नयी विपत्ति का आ जाना
आग उगलना	उल्टा सीधा कहना
उल्टी माला फेरना	अहित सोचना
नाक रगड़ना	विनती / प्रार्थना करना

Scanned with OKEN Scanner

हवा लगना	प्रभाव पड़ना
मुँह लगाना	बहुत स्वतंत्रता देना
हजामत बनाना	लूटना
जैसे नागनाथ वैसे साँपनाथ	दो व्यक्तियों का समान अवगुणी होना / दुष्टता में
उल्टे छुरे से मूँड़ना	मूर्ख बनाकर ठग लेना
खेत रहना / आना	रणभूमि में मारा जाना
गंगा लाभ होना	स्वर्ग को प्राप्त होना
लाख से लीख होना	वैभव नष्ट होना
हथेली पर सरसों उगाना (very soon)	शीघ्रातिशीघ्र काम कर देना
अशरफी की लूट, कोयले पर मुहर	महत्त्वपूर्ण वस्तुओं को छोड़कर बेकार वस्तुओं की चिं
छछुंदर के सिर पर चमेली का तेल	अयोग्य व्यक्ति को अच्छी चीज मिलना
बाप मरे अंधेरे में बेटे का नाम पावरहाउस	झूठा दिखावा करना
ससुर के ब्याह में खुरपे का गीत	बेमेल होना
गोटी बैठाना	युक्ति सफल होना
छठी का दूध याद आना	बहुत कष्ट में होना / बड़ी परेशानी में आ
छाती पर साँप लोटना	ईर्ष्या होना
तिल का ताड़ बनाना	छोटी सी बात को बढ़ा देना
पगड़ी उछालना	बेइज्जत करना (अपमान)
साँप सूँघ जाना	बेसुध / मरणासन्न / एकदम चुप हो जाना
मेंढकी को जुकाम होना	अनहोनी होना / अपनी सामर्थ्य से बाहर बात
कलेजा मुँह को आना	घबरा जाना / ~~बहुत दुखी~~
दिन में तारे दिखाई देना	अत्यधिक दुःख के कारण होश ठिकाने न रहना
हारे को हरिनाम	असफलता को भगवान की इच्छा बताना
बिंध गया सो मोती रह गया सो सीप	जो वस्तु काम आ जाये वही अच्छी
जैसे कंता घर रहे, वैसे रहे परदेश	निकम्मे आदमी के घर / बाहर में कोई अंतर नहीं
मक्खी मारना	बेकार बैठे रहना
सिर आँखों पर बैठाना	बहुत सम्मान करना
हवा का रंग देखना	स्थिति देखकर
कर खेती परदेश को जाए, वाको जनम अकारथ जाये	अपनी जिम्मेदारियों से नहीं भागना चाहिए
फूहड़ चाले, नौ घर हाले	दुर्गुणी अयोग्य व्यक्ति से सभी परेशान होते हैं
अपनी करनी पार उतरनी	अपना किया काम ही फलदायक होता है।
अरहर की टट्टी, गुजराती ताला -	सामान्य वस्तु की रक्षा के लिए अधिक प्रयत्न
मान न मान मैं तेरा मेहमान	जबरजस्ती किसी के गले पड़ना / जबरजस्ती घनिष्ठता करना
आसमान से गिरा खजूर में अटका	एक मुसीबत से निकलकर दूसरी मुसीबत में फँस जाना।

सिर आँखों पर — अत्यंत सम्मानपूर्वक
सांप सूंघना — अत्यंत भयभीत होना
आसमान सिर पर उठाना — उपद्रव करना
गाल बजाना — ([illegible]) करना
किनारे का रुख होना — बात के [illegible] में काम करना
टेढ़ी खीर — दुष्कर काम
उल्टी खोपड़ी — [illegible] व्यक्ति
जमीन आसमान के कुलाबे मिलाना — कार्यपूर्ति के असम्भव प्रयास करना
पीठ में छुरा भोंकना — धोखा देना
अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना — अपनी प्रशंसा स्वयं करना
नाच न आवे आँगन टेढ़ा — अपनी अज्ञानता दूसरों पर मढ़ना
मीठी छुरी चलाना — मधुर बातों से व्यंग करना व्यंग्य
न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी — असम्भव सी लगने वाली शर्त
जिसकी लाठी उसकी भैंस — ताकत से कुछ मनवाने का प्रयास
आप डूबे तो जग डूबा — पहले स्वयं की चिन्ता करना
किसी का घर जले कोई तापे — दूसरों की बरबादी में भी लाभ ढूंढ़ना
सूत न कपास जुलाहे में लट्ठम-लट्ठा — बिना किसी वजह के लड़ाई करना
जैसा देश वैसा भेष — समय परिस्थिति के अनुकूल चलना
फिसल पड़े तो हर हर गंगा — अनिच्छित कार्य को भी इच्छित बताना

घर की खेती ———— आसानी से उपलब्ध
खग जाने खग की ही भाषा ———— समान गुण वाले आपस की बात समझते हैं।
चुपड़ी और दो दो ———— अच्छी वस्तु का पर्याप्त मात्रा में होना
ठिकाना करना ———— रोजी-रोजगार के लिए स्थान ढूंढ़ना
मन में चोर बैठना ———— मन में कपट बैठना
हाथ पैर मारना ———— अत्यधिक प्रयास करना
माथा ठनकना ———— सन्देह होना। करना
मरे को मारे शाह मदार ———— परेशान को और परेशान करना
नदी नाव संयोग ———— कभी मिलना। थोड़े समय का साथ होना
चलता करना ———— रवाना कर देना।
बासी बचे न कुत्ता खाये ———— जरूरत भर उपयोग करना।
नाक रगड़ना ———— विनती करना।
कौवा चला हंस की चाल ———— व्यर्थ की नकल करना।
हाथ डालना ———— दखल देना।
उतर गई लोई तो क्या करेगा कोई ———— हया उतर जाने पर व्यक्ति किसी की परवाह नहीं करता।
पानी पीकर जात पूछना ———— काम हो जाने के बाद नीचा दिखाना।
देशी कुतिया विलायती बोली ———— किसी की नकल में अपनापन छोड़ना।
नंगे बड़े परमेश्वर से ———— निर्लज्ज से सब डरते हैं।
टिप्पणी। विशेष—

Scanned with OKEN Scanner

न घर का न घाट का —— कहीं का न होना
नौ दो ग्यारह होना —— भाग जाना
हाथ पर हाथ धरना —— बेकार बैठना
माथे पर बल पड़ना —— चिन्ता करना / क्रोध करना
अधजल गगरी छलकत जाय —— कम ज्ञान वाले व्यक्ति का अधिक ज्ञान
एक चना भाड़ नही फोड़ता —— अकेला व्यक्ति कुछ खास नही कर पाता
आँखें बिछाना —— स्नेह / आदरपूर्वक किसी का स्वागत करना
एक साथ दो नाव पर चढ़ना —— किन्ही दो कार्यो को एक साथ करना जिनका साथ में पूरा होना सम्भव नही
जले पर नमक छिड़कना —— दुखी को और दुखी करना
आप भले तो जग भला —— अच्छे आदमी को सारा संसार अच्छा लगता
रंग बदलना —— स्वभाव में परिवर्तन
हवा में मुक्का मारना —— व्यर्थ का क्रोध
भैंस के आगे बीन बजाना —— मूर्ख को ~~सद~~ उपदेश देना व्यर्थ है
टेढ़ी खीर —— कठिन काम
मुँह लगाना —— सिर पर चढ़ा लेना / ढीठ बना देना
बोया पेड़ बबूल का आम कहाँ से खाय —— बुरे कार्य से अच्छा परिणाम नही मिलता
आँचल पकड़ना —— विवाह बंधन स्वीकार करना
आग पर पानी डालना —— क्रोध / झगड़ा शांत करना
आँख रखना —— ध्यान रखना
उधार खाये बैठना —— किसी की सहायता से दिन काटना
उल्टी माला फेरना —— ~~विपरीत~~ कार्य करना अहित सोचना।
कलेजा मुंह को आना —— व्याकुल होना
गुल खिलना —— कुछ अप्रत्याशित होना
खून सफेद हो जाना —— बहुत अधिक डर लगना
चीटी के पर निकलना —— विनाश का काल नजदीक होना
घर में गंगा बहना —— अत्यंत निर्मल हृदय होना
दाना-पानी उठना —— रोजी रोजगार खतम होना
खग जाने खग की ही भाषा —— समान गुण वाले एक दूसरे की भाषा समझे
जो गुड खाये सो कान छिदाये —— लाभ पाने के ~~लिए कष्ट~~ उठाना
झूठ के पाँव नही होते —— झूठ को छिपाया नही जा सकता
तीन में न तेरह में —— सम्मान के अयोग्य / अत्यन्त उपेक्षित Neglected
बाँह गहे की लाज —— शरणागत की रक्षा
लिखे ईसा पढ़े मूसा —— किसी बात का किसी को पता न चले
मुंह में राम बगल में छूरी —— मन में कपट होना
समय चूकि पुनि का पछताने —— अवसर बीत जाने पर पश्चाताप व्यर्थ
अमरबेल बनना —— पराश्रित रहना
उल्टी गंगा बहाना —— असम्भव काम करने का प्रयत्न करना
गुड़ गोबर करना —— बने काम को बिगाड़ना

Scanned with OKEN Scanner

जूतियाँ चिटकाते फिरना - इधर उधर व्यर्थ चक्कर लगाना
तीन पाँच करना ———— कपट की बात करना
पहाड़ टूट पड़ना ———— भयानक विपत्ति का आ पड़ना
बालू की भीत ———— क्षणिक Temporary
काला अक्षर भैंस बराबर ———— अनपढ़
सूरज को दीपक दिखाना ———— ज्ञानी के सामने अल्पज्ञान का प्रदर्शन करना
आँख का काँटा बनना ———— मन में चुभना / खटकना
ईद का चाँद होना ———— दुर्लभ होना
अपनी करनी पार उतरनी ———— जो जैसा करता है, वैसा भरता है।
अधजल गगरी छलकत जाय ———— अल्पज्ञान का अधिक प्रदर्शन
एक अनार सौ बीमार ———— एक वस्तु के बहुत अधिक चाहने वाले
खोदा पहाड़ निकली चुहिया ———— अधिक परिश्रम पर भी फल प्राप्ति नहीं
जल में रहकर मगर से बैर ———— आश्रयदाता से शत्रुता रखना।
भागते चोर की लंगोटी ही सही ———— जहां कुछ न मिलने की संभावना हो, वहां कुछ मिलने पर ही संतोष कर लेना अच्छा होता है।
उलटे बाँस बरेली को ———— विपरीत कार्य करना / परम्परा विरुद्ध कार्य
कोयले की दलाली में काले हाथ ———— जैसी करनी वैसी भरनी (कुसंगति से कलंक) अवश्य लगता है
हाथ कंगन को आरसी क्या ———— प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता
अंगूठा दिखाना ———— मना करना
अपना उल्लू सीधा करना ———— अपनी ही भलाई चाहना
अपनी खिचड़ी अलग पकाना ———— एकदम अलग रहना
अंडा सेना ———— समय गँवाना
आँख में धूल झोंकना ———— धोखा देना
अंधे के हाथ बटेर लगना ———— अचानक कीमती चीज मिल जाना / अयोग्य को अच्छी वस्तु मिलना
उँगलियों पर नचाना ———— परेशान करना (अपने वश में करना)
उल्टे छुरे से मूड़ना ———— दुख देना
ओले पड़ना ———— विपत्ति पड़ना
कान खड़े होना ———— सावधान होना
कच्चा चिट्ठा खोलना ———— सारा भेद प्रकट करना
ऊँट के मुँह में जीरा ———— बहुत खाने वाले को अल्पभोजन / आवश्यकता से बहुत कम प्राप्त होना
खाक में मिलना ———— नष्ट होना
खयाली पुलाव पकाना ———— कल्पनाओं में रहना / असंभव सी बातें करना
घात लगाना ———— अवसर तलाशना मौका ताकना
छक्के छुड़ाना ———— बुरी तरह परास्त कर देना
ढाक के तीन पात ———— सदैव एकसा रहना बेरोजगारी / गरीबी
बाग-बाग होना ———— प्रसन्न होना
मन की मन में रहना ———— अपनी बातें अपने तक सीमित रखना
अक्ल के अन्धे ———— प्रचण्ड मूर्ख
आँखों में खून उतरना ———— अत्यन्त क्रोधित होना
मुँह पर नाक न होना ———— सम्मान / मान मर्यादा का ध्यान न रखना

Scanned with OKEN Scanner

कलई खोलना ———————— भेद / छल का पर्दाफाश करना
खून पसीना एक करना ———— कठोर परिश्रम करना
छप्पर फाड़ कर देना ———— अचानक / अकस्मात अपेक्षा से अधिक देना
पेट का पानी न पचना ———— बात को गोपनीय न रख पाना।
मन के लड्डू खाना ———— काल्पनिक सुख में डूबे रहना
रंगा सियार होना ———— वास्तविकता छिपा कर बड़ा बनना
आँख के अन्धे नाम नैन सुख ——— जैसा नाम वैसा काम न होना
आगे नाथ न पीछे पगहा ——— बेसहारा / एकदम अकेला / जिम्मेदारी मुक्त
चोर की दाढ़ी में तिनका ——— दोषी व्यक्ति सशंकित रहता है।
एक अनार सौ बीमार ——— वस्तु कम तथा मांग अधिक होना
भई गति साँप छछूंदर केरी ——— दुविधा स्थिति Dilemma
घर में नहीं दाने अम्मा चली भुनाने ——— अपनी स्थिति से अधिक दिखावा
गंगा गये गंगादास, जमुना गये जमुनादास — अवसरवादी होना
आकाश पाताल का अंतर होना ——— बहुत ज्यादा अंतर होना
आपे से बाहर ——— अत्यन्त क्रोधित होना
गरदन पर छुरी फेरना ——— अहित करना
घाट घाट का पानी पीना ——— अनुभवी होना
चुल्लु भर पानी में डूब मरना ——— लज्जित होना
छठी का दूध याद दिला देना ——— सबक सिखाना
जीती मक्खी निगल जाना ——— जानबूझकर गलती करना
अन्धों में काना राजा ——— गुणहीनों में थोड़े गुण वाला श्रेष्ठ
अपनी करनी पार उतरनी ——— मनुष्य को अपने कर्म के अनुसार ही फल
एक और ~~एक~~ ग्यारह ——— संगठन में शक्ति होती है
घर का भेदी लंका ढाहे ——— आपसी फूट से भेद खुलना / हानि होना
नाच न जाने आँगन टेढ़ा ——— अपनी कमी दूसरे पर आरोपित करना
भूखे भजन न होय गोपाला ——— खाली पेट कोई काम नहीं हो सकता
कोढ़ में खाज होना ——— कष्ट और अधिक बढ़ जाना
आँख नीची होना ——— लज्जित होना
कान लगाना ——— ध्यान से सुनना
गागर में सागर भरना ——— अल्प शब्दों में बहुत कुछ कहना
एक आँख से देखना ——— समान नजर / No भेदभाव
दाँतों तले उंगली दबाना ——— आश्चर्यचकित रह जाना
नाक का बाल होना ——— अत्यन्त प्रिय होना
अधजल गगरी छलकत जाय ——— कम ज्ञान और दिखावा अधिक
घायल की गति घायल जाने ——— दूसरों का दुख नहीं समझ सकता है
जस दुल्हा तस बनी बराती ——— जैसा व्यक्ति वैसा उसका साथ
धूप में बाल सफेद करना ——— अनुभव की कमी
टका सा मुँह लेकर रह जाना ——— खिसिया जाना
बहती गंगा में हाथ धोना ——— अवसर का लाभ उठाना
मुट्ठी गरम करना ——— रिश्वत देना
नारद होना ——— चुगलखोरी / इधर की बात उधर

इस समय आपकी आयु चालीस वर्ष है। ——— अवस्था / उम्र

आकाश में वायुयान दौड़ रहा है। ——— उड़

बिजली गरज रही है ——— चमक

रात का नाश्ता अच्छा था ——— खाना

- पुस्तक को जहाँ से उठाओ, वहीं रख दो। — पुस्तक जहाँ से उठाओ, वहीं पर रख दो।
- हम अपने पिता के सबसे बड़े लड़के हैं। मैं अपने पिता के सबसे बड़ा लड़का हूँ।
- मैं मेरी कलम से लिखता हूँ। मैं अपनी कलम से लिखता हूँ।
- यह भाग्यवान स्त्री है। यह भाग्यवती स्त्री है। सौभाग्यवती
- विश्वनाथ और गोविंद में सबसे तेज कौन है अधिक तेज

R
- प्रत्येक प्राणी को स्वयं आत्मनिर्भर होना चाहिए। only आत्मनिर्भर
- एक गिलास दीजिए। पानी का एक गिलास दीजिए।
- मैं आपकी प्रतिरक्षा करता रहा। मैं आपकी प्रतीक्षा करता है
- कृष्ण पिताम्बर धारण करते थे। कृष्ण पीताम्बर धारण करते थे।

मेरा नाम श्री मोहन जी है। मेरा नाम मोहन है।

शिकारी ने शेर पर गोली चलायी पर वह बच निकला। शिकारी ने शेर पर गोली चलायी पर वह बच निकला।

तमाम देशभर में ⟶ देशभर में

- वह पेड़ जो कोने पर लगा है, उसके फल मीठे हैं।
- वह पेड़ जो कोने में है, के फल मीठे हैं।

सामाजिक कुरीतियों का एकमात्र कारण अज्ञानता है। सामाजिक कुरीतियों का एकमात्र कारण अज्ञान है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रख्यात में (प्र)
संरक्षण — (सम)
अधखिला — (अध)
दुकाल — (दु)
उनतीस — (उन)
सदाचार — (सत)
दुराचार — (दुर)
अधिगम — (अधि)
समादर — (सम)

[वैयुत्व → [त्व]
[सुंदरता → (ता)

[प्रत्यय]

[अंदाज
[आबाद
जादह (जाद)
महारानी मे (नी)
हंसिनी → नी

[आप्तकाम
[उच्छिष्ट

verb
चढ़ाई / पढ़ाई / लिखाई → (ई)

भलाई / बुराई / पण्डिताई / मिठाई → [आई]

सम / सम
↳ समीक्षा / समर्थ

बहि: